यशवंत सागर : लापरवाही से बिगड़ रही तस्वीर, स्वच्छता और सुरक्षा पर सवाल

प्रशासन की अनदेखी और नागरिकों की गैर-जिम्मेदारी से तालाब संकट में

शैलेन्द्र कश्यप

इंदौर शहर की जल आपूर्ति का एक अहम स्रोत यशवंत सागर तालाब आज अपनी बदहाल स्थिति के कारण चिंता का विषय बनता जा रहा है. एक ओर यह तालाब शहर के कई इलाकों की प्यास बुझाता है, तो दूसरी ओर इसकी मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता लोगों को यहां आने के लिए आकर्षित करती है.

लेकिन बढ़ती लापरवाही और जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते यह खूबसूरत जलस्रोत धीरे-धीरे गंदगी और अव्यवस्था की चपेट में आ रहा है. तालाब के किनारों पर पहुंचते ही जहां पहले स्वच्छ पानी और शांत वातावरण का एहसास होता था, वहीं अब कई जगहों पर फैली गंदगी साफ नजर आती है. लोग यहां घूमने और समय बिताने आते हैं, लेकिन अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय प्लास्टिक, खाने-पीने का कचरा और शराब की खाली बोतलें यहीं छोड़कर चले जाते हैं. शाम होते-होते कुछ जगहों पर शराब पार्टियां भी होती हैं, जिनके बाद तालाब परिसर कचरे से भर जाता है. सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होने के कारण ऐसे लोगों पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो पा रही है.

पाल पर अतिक्रमण: तालाब की पाल पर अतिक्रमण भी एक बड़ी समस्या बन चुका है. कई जगहों पर लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है, जिससे न सिर्फ तालाब का प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ रहा है, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी खतरा बढ़ रहा है. इन अतिक्रमणों के कारण गंदगी और कचरा भी तेजी से फैल रहा है, जो तालाब के पानी को प्रभावित कर रहा है.

भविष्य के लिए गंभीर संकेत: स्पष्ट है कि जिस तरह से यहां गंदगी, अवैध गतिविधियां और लापरवाही बढ़ रही है, वह भविष्य के लिए गंभीर संकेत है. यदि समय रहते प्रशासन और जिम्मेदार विभागों ने सख्त कदम नहीं उठाए, तो आने वाले समय में इस महत्वपूर्ण जलस्रोत की स्थिति और भी खराब हो सकती है. साथ ही, आम नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए तालाब की स्वच्छता और संरक्षण में सहयोग करना होगा, तभी यशवंत सागर अपनी पहचान और उपयोगिता को बरकरार रख पाएगा.

ऐसे पहुंचाते हैं पानी...

यशवंत सागर तालाब का पानी देवधर्म टेकरी स्थित ट्रीटमेंट प्लांट तक लाया जाता है, जहां क्लोरीनेशन की प्रक्रिया के माध्यम से इसे शुद्ध किया जाता है। इसके बाद यह पानी बीएसएफ, संगम नगर, पल्हर नगर और किला मैदान स्थित पानी की टंकियों में भेजा जाता है. यहां से यह पानी विभिन्न कॉलोनियों में पहुंचकर हजारों लोगों की प्यास बुझाता है.

तेजी से फैल रही जलकुंभी

सफाई व्यवस्था की हालत भी बेहद खराब है. गर्मी के मौसम में भी तालाब में जलकुंभी तेजी से फैल रही है. यह जलकुंभी पानी की गुणवत्ता को खराब करती है और जलस्रोत के लिए गंभीर समस्या बन जाती है. विशेषज्ञों के अनुसार, यदि समय रहते इसे नहीं हटाया गया तो बारिश के मौसम में यह चार गुना तेजी से फैल सकती है, जिससे बाद में इसे साफ करना बेहद मुश्किल हो जाएगा. इसके बावजूद अब तक इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है.

प्रतिबंध के बावजूद पकड़ते हैं मछली

मछली पकड़ने पर प्रतिबंध के बावजूद तालाब में यह गतिविधि खुलेआम जारी है, कई लोग सुबह और शाम के समय जाल डालकर मछलियां पकड़ते नजर आते हैं. इतना ही नहीं, वे इन्हें वहीं सड़क किनारे बेचते भी दिखाई देते हैं. हैरानी की बात यह है कि निगरानी की जिम्मेदारी संभालने वाले कर्मचारी अक्सर मौके से गायब रहते हैं, जिससे नियमों का उल्लंघन लगातार बढ़ रहा है.

सतत निगरानी : सर्विलांस कैमरे लगाने की योजना

एडिशनल कमिश्नर आशीष पाठक ने बताया कि यशवंत सागर तालाब से करीब 35 एमएलडी पानी लिया जा रहा है. यह तालाब नगर निगम सीमा के बाहर होने के कारण यहां की व्यवस्थाएं स्थानीय स्तर पर संचालित की जाती हैं और समय-समय पर सफाई करवाई जाती है. हाल ही में जलकुंभी की समस्या उठने पर अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए बारिश से पहले इसे हटाने की बात कही है. उन्होंने बताया कि तालाब के आसपास हो रहे अवैध निर्माण का मुद्दा पहले भी दिशा समिति की बैठक में उठाया गया था, जिसमें सांसद शंकर लालवानी भी शामिल थे. क्षेत्र नगर निगम सीमा से बाहर होने के कारण कार्रवाई की जिम्मेदारी एडीएम को दी जा रही है. अतिक्रमण हटाने के लिए संयुक्त अभियान चलाने की तैयारी भी की जा रही है. साथ ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) से जुड़े कार्य जल्द शुरू करने की बात कही गई है. मछली पकड़ने के मामलों में वैधानिक जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया है. भविष्य में ऐसी समस्याएं न हों, इसके लिए सतत निगरानी, सर्विलांस कैमरे लगाने और कर्मचारियों की तैनाती बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है. हालांकि, अधिकारियों के जवाबों को लेकर अब भी स्पष्टता की कमी और गोलमोल रवैया सामने आ रहा है.

ठोस कचरा प्रबंधन सख्ती से लागू हो

यशवंत सागर जैसे संवेदनशील आर्द्रभूमि क्षेत्र में अनियंत्रित पर्यटन और कचरा प्रबंधन की कमी जल गुणवत्ता, जैव विविधता और पेयजल सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है. जलकुंभी का अत्यधिक फैलाव जल में ऑक्सीजन की कमी उत्पन्न कर जलीय जीवन को प्रभावित करता है, जबकि प्लास्टिक प्रदूषण दीर्घकालिक पारिस्थितिक क्षति का कारण बनता है. अत: आवश्यक है कि ठोस कचरा प्रबंधन को सख्ती से लागू किया जाए, पर्यटकों के लिए नियंत्रित प्रवेश, प्लास्टिक कैरी बैग आदि पर रोक, लिटर बिन्स लगाने के साथ जागरूकता बढ़ाई जाए. जलकुंभी के नियमित निष्कासन और जैव-नियंत्रण उपाय अपनाए जाएं, ताकि रामसर साइट एवं महत्वपूर्ण जलस्रोत यशवंत सागर का पारिस्थितिक संतुलन और जल गुणवत्ता संरक्षित रह सके.

-डॉ. दिलीप वागेला, विशेषज्ञ सदस्य,
जिला वेटलैंड संरक्षण समिति, इंदौर

एक नजर में

मुद्रा शास्त्री गिरीश शर्मा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

इंदौर. नई दिल्ली में संसद मार्ग स्थित कांस्टिट्यूशन क्लब पर आयोजित 17वें रंग फेयर-2026 में राष्ट्रीय मुद्रा परिषद के संयोजक और शहर के वरिष्ठ मुद्रा शास्त्री गिरीश शर्मा आदित्य को संस्था रॉयल आर्ट्स एंड न्यू मिस्मेटिक गैलेरी नई दिल्ली की ओर से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से अलंकृत किया गया. इंटेक के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह ठाकुर, दिलीप बेलस्कार, संस्था के प्रमुख संयोजक मुकेश वर्मा एवं शिवम वर्मा ने आदित्य को करतल ध्वनि के बीच 39वां जीवन गौरव सम्मान प्रदान किया. संस्था रॉयल आर्ट्स एंड न्यू मिस्मेटिक गेलेरी के इस आयोजन में गिरीश शर्मा के अब तक के योगदान का विशेष रूप से उल्लेख किया गया. इस मौके पर गिरीश शर्मा ने भारतीय मुद्रा, डाक टिकिट और अन्य संग्रह पर प्रोजेक्टर की मदद से अनेक दुर्लभ सिक्कों को प्रदर्शित करते हुए अपना व्याख्यान भी दिया. उन्होंने कहा कि जब आज से 56 वर्ष पहले मैंने शौकिया तौर पर सिक्कों का संग्रह शुरू किया था तब सोचा नहीं था कि यह शौक मुझे दुनिया के कोने-कोने में सम्मान और ख्याति दिलाने वाला साबित होगा. मेरे संग्रह का रास्ता बहुत कठिन रहा लेकिन एक जिद थी और रहेगी कि भारतीय सिक्कों और मुद्राओं के इस संग्रह से मैं अपनी नई पीढ़ी को देश के इतिहास के स्वर्णिम अध्याय और गौरवशाली भारतीय संस्कृति से अवगत कराने का विनम्र प्रयास कर रहा हूँ.

पक्षियों के लिए सकोरों का वितरण

इंदौर. गर्मी के दिनों में पक्षियों को पानी की अति आवश्यकता होती हैं इसलिए अपने घर, छत, बगीचे में पक्षियों को पानी पीने के लिए मिट्टी के सकोरे रखना चाहिए, इस बात को ध्यान में रखते हुए, अभ्यास मंडल के कार्यक्रम में श्री नंदलाल मोगरा के सौजन्य से सकोरो का विवरण किया गया. इ अवसर वरिष्ठ गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे. इस पहल की सराहना की.

पुष्प विहार कॉलोनी में चल प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन

इंदौर. पुष्प विहार कॉलोनी स्थित नूतन अस्थायी जिनालय में रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्वितीय वातावरण देखने को मिला, जहां प्रभु प्रवेश एवं चल प्रतिष्ठा महोत्सव पूर्ण धार्मिक गरिमा और भव्यता के साथ संपन्न हुआ. यह आयोजन आचार्य देव नवरत्नसागरसूरीश्वर के आशीर्वाद एवं आचार्य देव श्री विश्वरत्नसागरसूरीश्वरजी आदि ठाणा की पावन निश्रा में आयोजित किया गया। महोत्सव का शुभारंभ प्रात: बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा से निकली भव्य जिन शोभायात्रा से हुआ, जिसमें जैन श्वेतांबर बाल स्काउट, युवा मंडल एवं महिला मंडल की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने पूरे वातावरण को धर्ममय बना दिया. शोभायात्रा के पश्चात जिनालय में आदिनाथ प्रभु, शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु एवं श्री जीरावाला पार्श्वनाथ प्रभु का मंगल प्रवेश एवं विधिवत चल प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई. महोत्सव के दौरान आयोजित धर्मसभा में लगभग 1500 श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के प्रवचनों का लाभ लिया. ट्रस्ट समिति द्वारा दानदाताओं का सम्मान भी किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद, भाजपा छत्रसाल मंडल अध्यक्ष एवं विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी उपस्थित होकर प्रभु दर्शन किए. आयोजन की व्यवस्थाओं के संचालन में आशीष जैन, सुनील गादिया, सी.ए. चर्चिल जैन, सुशील जैन, सचिन जैन, कुँ. राहुल सिंह मैहर, अंकित जैन, अमित कवाड़, डॉ. चंदन सराफ, सुमित चोपड़ा, अनुराग जैन, अक्षय जैन, रितेश लोढ़ा, आदर्श जैन एवं अमित कटारिया की सक्रिय सहभागिता रही.

भीषण गर्मी से शहर हलाकान पारा 43 डिग्री पर पहुंचा

शाम को बाहरी क्षेत्र में हल्की बारिश

नव भारत न्यूज

इंदौर. पिछले दो दिनों से भीषण गर्मी के कारण शहर में आमजन हलाकान हो गया है. आज पारा 43 डिग्री पर पहुंच गया, लेकिन शाम को शहर के बाहरी इलाकों में हल्की बारिश होने से थोड़ी राहत भी मिली है.

पिछले एक हफ्ते से सूरज के तेवर बहुत तीखे हो गए हैं. तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है. आज शहर में तापमान 43 डिग्री दर्ज किया गया. इस साल का अभी तक का सबसे गर्म दिन माना गया है. पिछले दो दिनों से शहर में गर्म हवाओं का जोर है और दोपहर 12 से 4 बीच लू का अहसास होने लगा है. सड़कों पर आवाजाही भी कम नजर आने लगी है. आज शाम 5.30 बजे मौसम केंद्र के अनुसार 37 डिग्री तापमान दर्ज किया गया. इसकी वजह यह है कि शहर के बाहरी इलाकों में हल्की बारिश हुई है. शनिवार शाम को शर का तापमान 40 .5 डिग्री दर्ज किया गया था. मौसम विभाग के पूर्वानुमान से आगामी दो तीन दिन में गर्मी कम हो सकती है, लेकिन 1 या 2 डिग्री तापमान गिर सकता है. बताया जा रहा है कि आगामी एक हफ्ते बाद गर्मी फिर भभक सकती है और शहर का तापमान 45 डिग्री को छूने की संभावना है.

त्याग, तपस्या और सेवा का मंदिर है ज्ञान शिखर : हेमलता दीदी

इंदौर. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय इंदौर जोन के न्यू पलासिया स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय ज्ञानशिखर भवन का दसवां वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया. सभी वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी बहनों ने केक काटकर अपनी खुशी भी प्रकट की.

ब्रह्माकुमारी आकांक्षा बहन ने ज्ञानशिखर की महिमा का गीत गाकर सबको मंत्र मुग्ध कर दिय. शक्ति निकेतन की कुमारियों ने वर्तमान चुनौतियों को दर्शाता हुआ बहुत ही मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया. इंदौर जोन की क्षेत्रीय निर्देशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने कहा कि यह ज्ञानशिखर केवल ईट,पत्थरों का भवन नहीं अपितु त्याग,तपस्या और सेवा का मंदिर है. जहां से सत्य ज्ञान का प्रकाश और ईश्वरीय सेवाओं की ज्योति जलती है. शक्ति निकेतन की संचालिका ब्रह्माकुमारी करुणा दीदी ने कहा कि यहां का पवित्र वातावरण हजारों आत्माओं के जीवन में शांति,शक्ति और परिवर्तन का प्रकाश फैला रहा है. कार्यक्रम में कालानी नगर क्षेत्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी, प्रेमनगर क्षेत्र की संचालिका ब्रकु शशि दीदी, रामबाग से ब्रकु छाया दीदी, छावनी से ब्रकु मधु दीदी, साकेत से ब्रकु अंबिका दीदी, ओमशांति भवन की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रकु उषा दीदी एवं गोवा से आई ब्रकु विनीता दीदी ने भी अपनी शुभकामनाएं दी. संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी अनिता दीदी ने किया.

निगम के खिलाफ दुकानदारों को मिला स्थगन

इंदौर. आज हाईकोर्ट ने छुट्टी के दिन विशेष सुनवाई करते हुए नगर निगम के खिलाफ दुकानदारों को स्थगन दे दिया. साथ ही दुकानदारों को वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष अपील करने हेतु 7 दिन का समय दिया है.

दरअसल मामला इस प्रकार है कि नगर निगम ने शिवाजी मार्केट 120 दुकानदारों को हटाने के नोटिस दिए थे. नोटिस में तीन का समय दिया गया था. आज रिमूवल कार्रवाई होने वाली थी. दुकानदारों ने वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष यादव के द्वारा हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी. आज जस्टिस प्रणय वर्मा के विशेष कोर्ट में विशेष सुनवाई का आवेदन अधिवक्ता यादव ने लगाया था, जिसको लेकर विशेष सुनवाई की गई. सुनवाई के दौरान अधिवक्ता यादव ने तर्क दिया कि दुकानदारों को अपील का समय नहीं दिया गया है और सीधे कार्रवाई के नोटिस दिए गए है. इस पर नगर निगम की ओर से तर्क दिया गया कि कान्ह नदी की सफाई के लिए दुकानें हटाई जा रही है. दुकानदारों को नई जगह दुकानें भी दे दी है. निगम ने केवीएट भी लगा रखी है. जस्टिस प्रणय वर्मा ने कहा कि अपील का मौका नहीं दिया है. अपील का मौका दिया जाना चाहिए था. हाईकोर्ट ने स्टे का आदेश दे दिया. साथ ही दुकानदारों को वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष 7 दिन अपील करने का समय दिया गया है.

अपील करने का दिया समय

कांग्रेस ने दुकानदारों पर कार्रवाई का किया विरोध

शिवाजी मार्केट में दुकानें हटाने के विरोध में सुबह शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे और बड़ी संख्या में कांग्रेसी पहुंच गए थे. निगम कार्रवाई का विरोध किया. निगम के रिमूवल दस्ते को कार्रवाई नहीं करने दी. इसके बाद निगम को कार्रवाई रोकना पड़ी और खाली हाथ लौटना पड़ा.

देवी अहिल्या बाई के जन्मोत्सव पर होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

इंदौर. देवी श्री अहिल्या जन्मोत्सव समिति द्वारा लोकमाता देवी अहिल्या बाई का 301 वां जन्मोत्सव 28 से 31 मई तक धूमधाम के साथ मनाया जायेगा. चार दिवसीय आयोजन में विभिन्न कार्यक्रम होंगे. आयोजन की शुरूआत प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक एवं महा विधालयीन स्तर पर आयोजित प्रार्थना कंठ स्थिकरण प्रतियोगिता से होगी.

यह जानकारी देते हुए समिति की संरक्षक विधायक उषा ठाकुर एवं अध्यक्ष मानवेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि आयोजन के तहत 4 मातृ शक्तियों को देवी श्री अहिल्या नगर गौरव सम्मान से सम्मानित किया जायेगा. चारों मातृशक्तियों को सम्मान में 1 लाख एक हजार 111 रुपये की राशि के साथ शाल, श्रीफल, अभिनंदन पत्र और होलकर पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया जायेगा. यह आयोजन 28 मई की शाम 6.30 बजे जाल सभागृह में होगा. 31 मई को लता मंगेशकर आडिटोरियम में संस्कृतिकर्मी गणेश मतकर द्वारा लिखित महानाट्य अष्टावधानी अहिल्या का मंचन् होगा. सुनील गणेश मतकर और सतीश मुंगरे द्वारा निर्देशित इस नाटक में करीब 150 कलाकार अभिनय करेंगे. संस्कृति कर्मी जयंत भिसे ने बताया कि 31 मई को सुबह 7 बजे राजवाडा स्थित देवी अहिल्या बाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण होगा. इसके पशचात् 200 भजन मंडली एवं नृत्य दलों द्वारा बगीचे की परिक्रमा कर देवी अहिल्या बाई को सलामी दी जायेगी.

एक नजर में | **हॉस्टल और कोचिंग संचालकों के साथ महापौर ने की बैठक**

सिंगल यूज प्लॉस्टिक फ्री हॉस्टल्स और परिसर को करेंगे पुरस्कृत

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में स्वच्छता अभियान को लेकर आज महापौर ने शहर के हॉस्टल और कोचिंग संचालकों के साथ बैठक की. बैठक में हॉस्टल से कचरा सीधे सड़कों पर फैंकने की सबसे बड़ी समस्या अधिकारियों ने बताई. साथ ही कचरे को अलग नहीं करने की पर कचरा नहीं उठाने के चेतावनी भी दी गई.

आज महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सिटी बस कार्यालय में हॉस्टल और कोचिंग संस्थानों के संचालकों के साथ स्वच्छता संवाद किया. महापौर भार्गव ने कहा कि शहर की स्वच्छता के सामने सबसे बड़ी चुनौती हॉस्टल्स हैं, जहां रहने वाले छात्र अक्सर कचरा सड़कों पर फेंक देते हैं. बैठक में नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि कचरा संग्रहण के लिए गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण अनिवार्य है. यदि यह नियम नहीं माना जाएगा तो कचरा नहीं उठाया जाएगा. बैठक में हॉस्टल कोचिंग संचालकों ने कहा कि सभी हॉस्टल इंदौर की स्वच्छता के लिए उनके साथ है. वहीं कुछ संचालको द्वारा कचरे को लेकर एक नियमावली बनाने का सुझाव दिया, जो छात्रों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का काम करेगी. महापौर ने कहा कि इंदौर एक प्रमुख शैक्षणिक केंद्र है और छात्रों को स्वच्छता एंबेसडर के रूप में तैयार किया जाए. महापौर भार्गव ने हॉस्टल संचालकों से कहा कि सभी हॉस्टल में से जो भी हॉस्टल अपने परिसर जीरो वेस्ट या सिंगल प्लास्टिक फ्री करता है. सर्वेक्षण के बाद अच्छा काम करने वाले तीन हॉस्टल्स को पुरस्कृत किया जाएगा.

संवाद में सामने आईं ये समस्याएं...

- खुले में कचरा फेंकना
- गीला-सूखा कचरा अलग न करना
- सिंगल-यूज प्लास्टिक का अधिक उपयोग
- सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी (रेड/येलो स्पॉट)

अधिकारियों ने संचालकों को बताया सफाई का तरीका

- हर हॉस्टल में पर्याप्त डस्टबिन और कलेक्शन पॉइंट अनिवार्य हों
- नियमित सफाई और निगरानी
- दुकानदार कचरा प्रबंधन में जिम्मेदारी निभाएं
- नियमों का उल्लंघन करने पर चालान और कार्रवाई होगी.